

## पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण का कार्यक्रम विस्तारित हो

एनएसआई में भविष्य के ईंधन की ओर एक कदम विषय पर वेबिनार

(आज समाचार सेवा)  
कानपुर, 15 अक्टूबर।  
राष्ट्रीय शर्करा संस्थान  
ने भारतीय चीनी मिल्स  
एसोसियेशन के साथ  
मिलकर भविष्य के  
ईंधन की ओर एक  
कदम विषय पर  
वेबिनार का आयोजन  
किया। भारत सरकार  
के सचिव (खाद्य एवं  
सार्वजनिक वितरण)  
सुधांशु पांडेय ने देश में  
कच्चे तेल के आयात  
में कमी लाने की बात  
पर बल दिया। उन्होंने  
कहा कि हमें चरणबद्ध  
तरीके से पेट्रोल में  
इथेनॉल मिश्रण  
कार्यक्रम विस्तारित



वेबिनार को सम्बोधित करते विशेषज्ञ।

करना होगा। सन्  
2022 तक दस फीसदी और 2030 तक 20  
फीसदी करने का लक्ष्य स्थापित कर कार्य किया  
जाना चाहिये। संयुक्त सचिव शर्करा सुबोध  
कुमार सिंह ने कहा कि इथेनॉल की उत्पादन  
को बढ़ावा देने के लिये सरकार ने गत एक वर्ष  
में 362 प्रस्तावों के लिये 18 हजार करोड़  
रुपये ऋण स्वीकृत किये हैं। जिससे काफी  
बड़ा विस्तार संभव हो सकेगा। इसी दौरान

कहा कि शीरे पर आधारित डिस्टिलरियों को  
दोहरी फीडस्टोक आधारित डिस्टिलरीज में बदला  
जा सकता है। इस मोके पर भारतीय मक्का  
अनुसंधान संस्थान के निदेशक संजय रक्षित ने  
देश के विभिन्न क्षेत्रों में मक्के के उत्पादन और  
उपलब्धता का विवरण दिया। प्राज्ञ इंडस्ट्री के  
अतुल मुले और एक्सेल इंडस्ट्रीज के संजय  
देसाई ने भी अपने विचार रखे।

संस्थान के निदेशक  
प्रो.नरेंद्र मोहन ने  
बताया कि हमें  
खाद्यान्न या ईंधन के  
विवाद से बचते हुये  
चावल और मक्के  
की अतिरिक्त पैदावार  
को इथेनॉल उत्पादन  
में लाया जा सकता  
है। इस प्रयोग से  
काफी बड़ी सफलता  
मिलने की संभावना  
है। भारतीय चीनी  
मिल्स एसोसियेशन  
के अध्यक्ष विवेक  
पिती ने सरकार के  
प्रयासों की सराहना  
करते हुये इथेनॉल के  
उत्पादन को बढ़ाने के  
अन्य विकल्पों पर भी  
सुझाव दिये। उन्होंने

## मक्के व चावल के अतिरिक्त

# पैदावार से बने एथेनॉल

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने किया  
'भविष्य के ईंधन की ओर एक  
कदम विषयक वेबिनार

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने भारतीय  
चीनी मिल्स एसोसिएशन के साथ मिलकर  
'भविष्य के ईंधन की ओर एक कदम' विषय  
पर बृहस्पतिवार को एक वेबिनार आयोजित  
किया। वेबिनार में 'खाद्य या ईंधन' के विवाद  
में न पड़ते हुए अतिरिक्त मक्के व चावल से  
एथेनॉल निर्माण पर जोर दिया गया। कहा गया  
कि कच्चे तेल के आयात को कम करने के  
लिए पेट्रोल में 10 फीसद (2022 तक)  
एथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को 2030 तक  
बढ़ाकर 20 फीसद करना होगा। लिहाजा  
एथेनॉल के लिए शीरे के अलावा अन्य स्रोत  
तलाशने जरूरी है। मक्के व चावल एथेनॉल  
निर्माण के लिए बहुत उपयुक्त हैं।

वेबिनार में भारत सरकार के सचिव  
(खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण) सुधांशु  
पांडेय, संयुक्त सचिव (शर्करा) सुबोध कुमार



मूल्य प्राप्ति में मदद  
मिलेगी। संयुक्त  
सचिव (शर्करा) ने  
कहा कि एथेनॉल  
उत्पादन को बढ़ावा देने  
के लिए एक वर्ष में  
सरकार ने 362  
प्रस्तावों के लिए  
लगभग ₹ 18 हजार

सिंह, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक  
प्रो.नरेंद्र मोहन, भारतीय चीनी मिल्स  
एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक पिती, मेसर्स  
प्राज्ञ इंडस्ट्रीज, पुणे के अध्यक्ष अतुल मूले  
एवं मेसर्स एक्सेल इंडस्ट्रीज, पुणे के एमडी  
संजय देसाई, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की जैव  
रसायन की आचार्य डॉ.सीमा परोहा आदि ने  
भविष्य के ईंधन के रूप में एथेनॉल का  
उत्पादन बढ़ाने के विभिन्न उपायों पर  
चर्चा की।

सचिव सुधांशु पांडेय ने कहा कि मक्के  
की उपलब्धता और उससे एथेनॉल प्राप्ति की  
मात्रा को देखते हुए इसका प्रयोग एथेनॉल  
उत्पादन में किया जा सकता है। इससे  
किसानों को भी उनके उत्पादन का उचित

करोड़ की ऋण स्वीकृति प्रदान की गई है,  
जिससे प्रति वर्ष 600 करोड़ लीटर एथेनॉल  
उत्पादन का विस्तार होगा।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक  
प्रो.नरेंद्र मोहन ने कहा कि चावल से 450  
लीटर प्रति टन एवं मक्के से 380 लीटर प्रति  
टन की दर से एथेनॉल उत्पादन किया जा  
सकता है। अनाज आधारित डिस्टिलरीज से  
प्राप्त सह-उत्पाद ड्राइड ग्रेन सोल्यूबल को  
पशु आहार के रूप में प्रयोग किया जा सकता  
है। उन्होंने शीरे की सीमित उपलब्धता के  
चलते वैकल्पिक स्रोतों के रूप में सरप्लास  
अनाज, मीठा आलू (शकरकंद), चुकंदर,  
मीठी चरी एवं कसावा आदि प्रयोग पर  
जोर दिया।

# Experts discuss potential of maize in ethanol production

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Secretary (Food and Public Distribution) Sudhanshu Pandey stressed the need for reducing dependence on imported crude oil.

Addressing a webinar on Thursday on the topic 'A Step Ahead Toward a Future Fuel' held in association with National Sugar Institute and Indian Sugar Mills Association, Pandey said the Government of India had chalked out the ethanol blended petrol (EBP) programme in a phased manner and for 2022 the blending target was 10 percent and by 2030 it was to be raised to 20 percent.

He said in order to achieve the goal of EBP, there was need for adding ethanol capacities and developing alternate feed stocks.

He said the potential of maize, which was abundantly available, could be harnessed for ethanol production as it would help the farmers in getting good rates for their produce.

Joint Secretary (Sugar), Government of India, Subodh Kumar Singh, in his address said that in order to boost ethanol availability during the last one year or so, 362 proposals for a loan amount of over Rs 18,000 crore had been approved which may result in addition of 600 crore litre ethanol capacity per annum.

NSI Director Prof Narendra Mohan suggested that without inviting "Food Vs Fuel" debate, surplus grains viz. rice and maize, could be used for production of ethanol.

He said with rice and maize, it was possible to attain

average ethanol yields of 450 litre/ton and 380 litres/ton with a valuable by-product, distillers dried grain with solubles (DDGS) to be used as cattle feed.

He said since only a limited quantity of ethanol could be produced using molasses from sugar industry, development of alternate feed stocks like surplus grain, sweet potato, sugar beet, sweet sorghum and cassava was important.

Earlier, Sudhanshu Pandey mooted that avenues towards export of sugar to sugar deficient Asian countries like Indonesia, Malaysia and Sri Lanka be taken up.

He said the country was continuing with surplus sugar production for the last couple of years and during the next sugar season (2020-21) also the country may see sugar pro-

duction to the extent of +30 MMT which was much higher than the domestic requirement.

He said thus sugar export and production of ethanol by sacrificing sugar was important for the economic sustainability of the Indian sugar industry.

He also stressed on the need for safe supply chain management from farm to consumer keeping in view the COVID-19 outbreak. He emphasised upon adoption of good manufacturing practices and hazard analysis & critical control points in sugar factories to ensure quality control.

He said the sugar consumption faced challenges due to COVID-10 pandemic, growing consumer preference for sugar substitutes and sugar tax imposed by various countries to curb sugar consumption.

## मक्के से निकालेंगे एथेनॉल किसानों की आय भी बढ़ेगी

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में 'भविष्य के ईंधन की ओर एक कदम' विषय पर आयोजित वेबिनार में केंद्रीय सचिव खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण सुधांशु पांडेय ने कहा कि कच्चे तेल के आयात को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से पेट्रोल में एथेनॉल में मिश्रण के लक्ष्य को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि मक्के का इस्तेमाल एथेनॉल उत्पादन में कर सकते हैं। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। उचित मूल्य मिलेगा।

बताया गया कि वर्ष 2022 तक पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण और वर्ष 2030 तक 30 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त करना है। एथेनॉल उत्पादन बढ़ाने के लिए पिछली साल सरकार ने 362 प्रस्तावों के लिए 18 हजार करोड़ की ऋण स्वीकृति प्रदान की है। चावल और मक्के की अतिरिक्त पैदावार को एथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा सरप्लस अनाज, शकरकंद, चुकंदर, मीठी चरी और कसावा

### फूल, दलहन की खेती के बारे में जानकारी दी

कानपुर। सीएसए में कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा के 13वें दिन विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने किसानों को फूलों की खेती, दलहन की खेती, तिलहन की खेती, सब्जियों की खेती के बारे में जानकारी दी। उन्होंने केवीके लखीमपुर खीरी के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित गरीब कल्याण रोजगार अभियान प्रशिक्षण पुस्तक का विमोचन किया।

से एथेनॉल प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम एनएसआई और भारतीय चीनी मिल्स एसोसिएशन के बैनर तले हुआ। एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक पिप्ती ने कहा कि शीरे पर आधारित डिस्टलरियों को दोहरी फीडस्टोक डिस्टलरीज में बदला जा सकता है। भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान लुधियाना के निदेशक डॉ. संजय रक्षित, एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन, अतुल मुले, डॉ. सीमा परोहा ने विचार व्यक्त किए।